₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 87;   July 2019

बिषय सूची

पढ़े त अगर बढ़े	1
गुरु कोउं बि भोई सकता	2
कुछ बि औखु नेई	2
दुख तकलिफे टेमे छनेआर	3
कि मेहणु बठ भरोसा करण?	3
लखे टके बोक	4
चुटकले	4

लेहु धेनीस 15
सोभि कियां लमा रोज 21

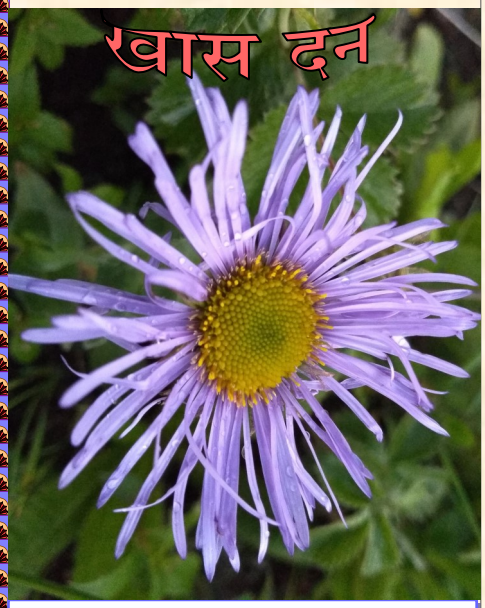

धाणि त **तसे जुएली**

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेके व्याहे, आठु जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचान्ते त तेस पढ़ान्ते ।

पढ़े त अगर बढ़े

यक ग्रां यक जिम्मदार थिया। तसे दुई कुआ थिए। जिम्मदार सुआ मेहनत कर कइ जिम्मदारी कताथ। से चाहंताथ कि तसे कुआ पढ़ लिख कइ अफसर बणें। पर से साल भइ घूमते फिरते त इम्तिहानी के टेम कताब खोलतेथ। पर साल भइ लापरवाही करणे बझई जुओई कदी खरे नम्भर ना अण्ही बटतेथ। जिम्मदारे अपु कुआ केहि लिंगि समझाए, पर से उलटे अपु बोउए जे बोतेथ, ‘तु त जिम्मदारी कता, तोउ की पता असा, पढ़ेई बारे?” जिम्मदार अपु कोयी के इ बरताबे बेलि सुआ दुखी भुन्ताथ।

यक रोज तेन अपु मन अन्तर सोचु कि से कुआ सबक शिचालता। जिम्मदारे अजागता अपु बग घेण बन्न कइ छउ। यक रोज, दुई रोज, यक हफ्ता, दुई हफ्ते, ईं कर कइ सुआ मेहने भोई गे।

अखिर अन्तर, जपल लुणणे टेम आ त जिम्मदारे अपु दुहि कुआ घिन कइ बग पुजा। बग भरी घास भरिए थिउ। जिम शुख कइ टटोरी भोई गो थी, त बोडी बोडी सियड़ी घेई गो थी। घास पुटणेईं भ्यागे केआं ब्यादी भोई गई। खनुण जे जिम अति टटोरी भोई गो थी कि दुहि कुआ के हथि शेई घेई गे। कुआ परिशान भोई कइ जिम्मदार जे बोलु, “बोउआ, तेईं पेहलेईं बगे कना ध्यान दुतो भुन्ताथ त आज इ नौवते ना एन्तीथ। अब त इस साले फसल बि गई।” जिम्मदारे हस कइ बोलु, “अउं त अनपढ़ गवार भो। मोउं की पता। मेईं बि तुं ईं सोचा कि साल भइ मेहनत करणे की फाइदा। जपल फसल लुणणे टेम ऐयाल, अउं बि तुं ईं कता।” दुही कुआ बोउए शिच समझ एई गा। त से तढ़ेया पता रोज के रोज पढ़ुण लगे।

तोउं त अस बि बोते कि सिर्फ इम्तिहाने के टेम पढ़ुण छड़ दी कइ, रोज अपु कतेबी जोई कमाण दिए। तोउं तुसी पढ़ुण औखु ना लगतु त खरे नम्भर बि एन्ते।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़ बजार, त: पांगी
घाटि,

गुरु कोउं बि भोई सकता

विनोद जिखेईं 10मीं 12मीं पढ़ताथ, तेस सुआ भाषेई शिचणे तीं शोक थिया। तेस पता लगा कि तेसे मितर ती भिएशुण लान्ता त से ढेली के ईं बोक बि कता। त तेन से अपु गुरु माना। जतर टेम से तेस जोई बोके कताथ, ततर टेम से तेस कियां भिएशुण त ढेलीएशी शिचताथ।

ई शुण कइ तेसे ई तेस जे बोलुण लगी, "तुस एन्हि बोकी किस शिचण लगो असा? मेईं त तोउ सुआ कुछ शिचलो असु। एउंशु हियुंत तु अपु माम के गा। से तोउ सोभ शिचलता किस कि तेस भोट भाषी बि एन्ती। त से सुआ खुश भोई गा ई शुण कइ। त सोभ मितर तेस हेर कइ हसण लगे।

विनोद ई शुण कइ अपु ईया जे बोलुण लगा, "बिआ! नोलेज त केसे केआं बि नीइन्ता, मोजी किने से साधारण मेहणु किस ना भोल। मोउं एस बोकी कोई फर्क ना पड़ता कि अउं केस कियां भाषा शिचण लगो असा। नोलेज नेणे बाड़े साधारण त असाधारण अन्तर फर्क ना हेरते। से केसे कियां बि शिच नी कइ अपु टश मुकान्ते, किस कि से त नोलेजे ढुके भुन्ते।"

नोलेज जेठिया बि मेईएल तुसी नेण चहिए। जेस नोलेज बेलि तुस अपु पुरी जिन्दगी बणाई सकियेल से यक साधारण मेहणु कियां बि नी सकते।

इस भुमण अन्तर कुछ बि ओखु नेई

यक फाट पहाण यक स्याणा मेहणु बिशताथ। से मेहणु जे बाती जानकारी देतांथ। जिखेईं यक मेहणु तेस के बाती पुछ्ण जे आ त तेस मेहणु बोके शुण कइ से मेहणु हासण लगा। तेन स्याणे होर तेस मेहणु जे बोलु "तें ई केहि मुर्ख मेहणु इस फाट चाणणे आओ थिए।"

पर तेस स्याणे मेहणु बोके शुण कइ होरे से मेहणु परशान ना भुआ, किस कि तेस जे कोई बि कम औखु नेओथ।

तेन तेस स्याणे मेहणु जे बोलु "तें ई बोके शुण कइ में हौसला सुआ बधो असा। अब अउं एस फट बठ चढाण टेम बड़े भारी ध्यान जोई हांटता त अपु मन सुआ हौसला देन्ता। से स्याणा तेसे तेस बोक शुण कइ सुआ हेरान भोई गा।

तेन बोलु, 'तुं ई हिम्मती बाड़ी के बेली इस भुमण बठ हिम्मत बचोरी रिहो असी। त तेन तेस धे जीतणे आशीर्वाद दिता। तेस कियां बाद तेन मेहणु बठे भारी होशियारी जोई से फाट टपा दे, पार नाश गा। त बोते कि ई भुमण बठ कुछ बि औखु नेई। सुखतु असु त तुसी अपु हिम्मत बणाई रखुंण, जेसे बेलि कि तुस सोबी औखु कमी सुखतु केतु। से तुं हिम्मत भिंथ।

विनोद कुमार

दुख तकलीफ टेमे छनेआर

ए भगवाना, तु लेहेरी कइ मोउं डरा नऊ,

होर न नराज भोई कइ धमका, त न झलेई कइ मोउं हेरीण दे।

ए परमेश्वरा, मोउं पुठ दाह दया कर, किस कि अउं थकि गो असा।

ए ईश्वरा, मोउं ठीक कर, किस कि अउं चरचुमर भोई गो असा।

में जिन्दगी सुआ दुखी असी। पर तु ए परमेश्वरा कपल तकर?

पैठि आई, ए में परमेश्वरा! में जिन्दगी बचा, अपु दयाई मुताविक में भलाई कर।

किस कि मरण केईया पता कोउं तोउ याद न कता? नरक लोक अन्तर कोउं तें धन्यवाद कता?

अउं टड़ते टड़ते थकि गा, अउं अपु बछाण ऑखु बइ सेली छता, त हर यक रात में बछाण सेलींतु।

ए सोब कुकर्म करणे बाड़ियो, मोउं केईया दूर भोई घिए,

किस कि परमेश्वरे में रोलुण शुण छो असु।

भगवान में रोलुण पीटुण हेरो असु, त से में छनेआरे जवाब जरूर देन्ता।

में सोब बैरी लज्जीण एन्तु त से सुआ डर घेन्ते। से वापस घेई घेन्ते, त यक यक जेईं लज्जेईंते।

कि मेहणु वठ भरोसा करण ?

गुरुकुल अन्तर गभुर के शिक्षा पुरी भोई गो थी। आज तेन्के अखिर रोज थिया। गुरुकुले हिसाब जोई गुरुजी अपु चेली अखिर उपदेश देणे तियारी करण लगो थिया। जेखेईं सोब चेले गुरुकुले मुणे कलास अन्तर किठिए त गुरु उपदेश देण लगा। तेंके हत कठोड़े कुछ खिलौने थिए। तेन्हि से खिलौने तेन्हि चेली हराले त बोलु, "में हथ अन्तर जे खिलौने असे, अन्हि अन्तर तुसी अंतर/फरक हरालण।" गुरु ई बोक शुण कइ सोभ चेले तेन्हि खिलौने के कना ध्यान जोई हेरण लगे। से टहो कठोड़े बणाओ खिलौने थिए। से सोभ हेरण यके किस्मी गुडडे थिए, जेन्हि अन्तर फरक हेरण मुशकिल थिया।

तिखेईं यक चेले यक गुडडा टाता त से हेरा। बोलु "हेरे इसे कनि छहन असे।" ई ईशारा सुआ थिया। ई हेर कइ सोबी चेली तेन्हि अन्तर से अन्तर हेरण लाई छा। तेन्हि सोबी गुरु जे बोलु कि एन्हि अन्तर एईए अन्तर असा कि एसे कन अन्तर छन असे। यक गुडडे कन अन्तर भोई कइ होर कने बइ बहेर नुसो असी। यक होर गुडडे कने बइ तार नुसो असी त मुँहे बइ बाहर नुसो असी। यक तेसे कने बइ तार छाणे बेलि कोठीयारी ना निसती।

बाकी हेस्सा अगले पन्ने पुठ

कि मेहणु वठ भरोसा करण ?

तेन्के जबाब शुण कइ गुरु बोलु "तुसी सोबी सही बोलु।" अब गुरुजीए यक निकि तार दिती त तेन्हि जे बोलु कि गुडडे कन अन्तर छड़े। चेली तिहांणि की। से की हेरते कि तेन्हि यक गुडडे कन कि छइ त होर कने बइ बाहर नसी। यक होर तेस गुडडे कने बइ छउ त तेसे मुंहे बाहर नसी। यक तेस गुडडे कने बइ छइ त से तार कोठियारी ना निसी।

इस बठ तेन गुरु से समझाए कि "हेरे, तुं सोबी के जिन्दगी अन्तर टाई किस्मी मेहणु एन्ते। यक से भुन्ते जे यक कने बइ शुणते त होर कने बइ बाहरी कढ़ते। ई मेहणु जोई तुस अपु बोके ना बोले। यक से मेहणु भुन्ते जे यक कने बइ शुणते त होर जे बोते। ई मेहणु जे तुस मने खरी बोके होरी जे ना लां। तिहांणि तुस होर तेस गुडडे ईं अपु हर बोके तेस मेहणु जे लाई सकते, जेस बठ तुस भरोसा कते भोल। से तेस टेका गुडडा ईं असा तेस कियां तुस केसे बोके बोल सकते तेस कियां शुण सकते, ई मेहणु तुं तागत बणते। बस तुसी मेहणु सही परखणे लौति।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपाः असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हैंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

लखे टके बोक

- परमेश्वरे हेर डरुण, जिन्दगी शुरुवात भो, त तसे बेलिए मेहणु मरणे फन्दे केईंया बच घेन्ते।
- अक्लदार मेहणु डरी कइ बुराई केईंया खिरकी घेन्ता, पर मुर्ख मेहणु ढीठ बण कइ नडर भोई बिश्ता।
- मुर्ख मेहणु पाप करण मजाक समझते, पर सिधे-साधे मेहणु के बुच दहा-दया भुन्ति।
- हर यक अक्लदार जिल्हाणु अपु घर बणांती, पर मुर्ख जिल्हाणु तेस अपु हथे बइ ढाई छती।

चुटकले

1 यक यात्री रिक्शेबाड़े केआं पुछु, स्टेशन तकर कतो नेन्ता? रिक्शेबाड़ा- दश रुपेई त समान मुफ्त नेन्ता। यात्री: अच्छा त समान घिन गा। अउं पैदल एन्ता।

2 दुई सुस्त मेहणु कम्बड़ पिठ बइ कर कइ उंघो थिए। तोउं यक चोर आ त कम्बड़ नी कइ नश गा। यक सुस्त मेहणु सलिएरे बोलु- "टा टा।" दोके सुस्त मेहणु बोलु- "बिशण दे बारा! जपल शरातोठि नेण जे एईयाल तपल टाई छते।"

3 यक जिम्मदारे बग घेण केआं पेहले अपु जुएली जे बोलु- दिसाई खांजे घिन आई। जुएली पुछु: कती रोठि अण्हीण। जिम्मदार- साढ़े नऊ। जुएली: दश घिन आई ना? जिम्मदार-किस बे, तेईं कि अउं अतो नशढुखा समझो असा ना?